प्रेस समाचार

जनसंपर्क विभाग
अमेरिकी दूतावास

शांतिपथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली 110021 दूरभाष: 011-24198000 एक्सटेंशन: 8827 फैक्स: 011-24198817
ईमेल: mpl@pd.state.gov इंटरनेट वेबसाइट: http://usembassy.state.gov/delhi.html

26 अप्रैल, 2007

भारतीय आम अमेरिका जाने के लिए तैयार

नई दिल्ली -- भारतीय आमों को अमेरिका के लिए कस्टम से आज अनुमति मिल जाएगी। राष्ट्रपति बुश ने मार्च 2006 में अमेरिकी बाजार को भारतीय आमों के लिए खोलने का संकल्प लिया था जो आज पूरा हो रहा है।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए भारत में अमेरिकी राजदूत डेविड सी. मलफोर्ड ने कहा, ''भारत के राष्ट्रीय प्रतीक समझे जाने वाले आमों के लिए अमेरिकी बाजार को खोलने की राष्ट्रपति बुश की प्रतिज्ञा का हमने पालन किया है। भारतीय आमों को अमेरिका पहुंचाना भारत और अमेरिका के बीच कृषि व्यापार को बढ़ाने की ओर पहला कदम है।''

अल्फांसो और केसर आमों की 150 पेटियों की पहली खेप मुंबई से न्यूयॉर्क के लिए वायुयान द्वारा शुक्रवार को सुबह जाएगी। शुरू में आम गुजरात और महाराष्ट्र के बागों से आते हैं।

अमेरिका में आमों की मांग बहुत ज्यादा है वहां के बाजार में लगभग 250,000 टन आम की मांग है। इस समय अमेरिका को सबसे अधिक आमों का निर्यात करने वाला देश मैक्सिको है इसके अलावा मध्य अमेरिकी देश भी आमों का निर्यात करते हैं।

जानकारों के अनुसार अमेरिका में भारतीयों की संख्या बढ़ने के कारण अमेरिका में भारतीय आमों के प्रति रुचि अधिक हो सकती। अमेरिका जाने वाले आमों पर कोई आयात शुल्क नहीं है।

अमेरिकी कृषि विभाग ने भारत के वाणिज्य एवं कृषि मंत्रालयों के साथ मिलकर भारतीय आमों के अमेरिका निर्यात हेतु एक इंडिया स्पेसिफिक कार्यक्रम बनाने के लिए कार्य किया है। इसमें लैसलगांव, महाराष्ट्र में केंद्र स्थापित करना शामिल है, जो कि भारतीय आमों को अमेरिकी बाजार में भेजने की अनुमति देता है।

***